स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के 100 घण्टे
समर इंटर्नशिप– 2018 में कार्यरत छात्रों को सम्मानित किया गया

माननीय कुलपति डॉ. पी. डी. जुयाल, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, के दिशा निर्देशों एवं मार्गदर्शन में भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ''समर इंटर्नशिप –2018'' के अंर्तगत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा ग्राम सालीवाड़ा गौर में छात्र– छात्राओं द्वारा अनेक गतिविधियां संचालित की गयीं। इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को 100 घण्टे सालीवाड़ा गौर ग्राम में कार्य किया गया। इस हेतु दिनांक 24/05/2018 से 05/06/2018 तक कुल 13 दिनों तक कार्य किया गया।

इस कार्यक्रम के नोडल ऑफीसर डॉ. आर. के. शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, ने बताया कि कुल 19 छात्र इस गतिविधि में दो समूहों में (10 एवं 9) विभाजित किये गये थे और तीन शिक्षक डॉ. ए. के. गौर, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता और डॉ. अमिता तिवारी जो कि सहायक नोडल ऑफीसर के रूप में सक्रिय रूप से सभी छात्र–छात्राओं के साथ दैनिक गतिविधियों में गांव जाकर भाग लेते थे।

इस कार्यक्रम में कुल 13 दिनों की रूपरेखा जो पूर्व में ही बना ली गयी थी। उसके अनुसार प्रतिदिन कार्य किया गया। सर्वप्रथम सभी छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा पंच/सरपंच एवं ग्रामीणों से संपर्क कर कार्यक्रम के उद्देश्यों को स्पष्ट किया गया। ग्रामीणों को घरेलू स्वच्छता जैसे– साफ–सफाई, हांथ धोना, अपने कपड़ों को स्वच्छ रखना, भोजन को ढक कर रखना आदि, जल स्वच्छता (पानी कपड़े से छानकर, देशी फिल्टर बनाना आदि सिखाया गया) पशुपालन संबंधी संपूर्ण जानकारी जैसे– पशुशाला की स्वच्छता,

पशुओं की स्वच्छता, टीकाकरण, संतुलित आहार, उत्पादन, प्रजनन संबंधी जानकारियां दी गई। वत्स पालन उनकी साफ सफाई एवं महत्व। कचरे का निष्पादन एवं वर्गीकरण। गौमूत्र एवं गोबर के महत्वपूर्ण उपयोग उनके उत्पादों को बनाना जैसे– गौमूत्र आसवन उसका औषधीय उपयोग, मच्छर कुण्डली, गोबर गमला आदि।

छात्र–छात्राओं द्वारा संपूर्ण गांव की नालियों की सफाई की गई एवं कचरा एकत्रित कर ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से गांव के बाहर निष्पादित किया गया। इस कार्य में कुछ ग्रामीण युवकों द्वारा सहयोग किया गया। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक कर स्वच्छता के महत्व को ग्रामीणों के सामने प्रदर्शित किया गया। ग्रामीणों को स्वच्छता संबंधी एवं पशुपालन संबंधी पर्चे भी प्रदाय किय गये। आई. सी. एम. आर. के माध्यम से ग्रामीणों एवं उनके पशुओं की रूधिर परीक्षण की व्यवस्था की गई और पशु जन्य रोग रेबीज, ब्रूसेलोसिस आदि रोगों की जानकारी दी गयी।

इस कार्यक्रम का समापन 5 जून को कुलपति सभाकक्ष में किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति जी, द्वारा की गयी। इस मौके पर सभी छात्रों एवं शिक्षकों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कुलपति महोदय ने छात्रों द्वारा किये गये कार्यों का पावर पॉइन्ट के माध्यम से अवलोकन किया और छात्रों की बहुत प्रशंसा की, कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी मौजूद थे। सभी ने छात्रों के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. देवेन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया।